INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

MID TERM EXAMINATION 2025-26		
CLASS-VIII	SUBJECT- HINDI (2nd Lang.)	MAX. MARKS: 80
Date: 21-09-25	SET: ONE	Time: 2.30 hours

***Ge**neral Instructions:*

1. *All questions are compulsory.*
2. *The question paper consists of **14** questions divided into --- 4 Sections.*
3. *There is no overall choice. However, internal choices have been provided*
4. *This question paper consists of **6** printed pages.*

खंड – क

प्रश्न 1. दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए| 7

आत्मनिर्भरता का अर्थ है– स्वयं पर निर्भर रहना| जो मनुष्य दूसरों के मुँह नहीं ताकते, वे ही आत्मनिर्भर होते हैं| आत्मनिर्भरता का राष्ट्रीय स्तर पर भी अर्थ है– निज, समाज तथा राष्ट्र की आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं करना| व्यक्ति, समाज तथा राष्ट्र में आत्मविश्वास की भावना, आत्मनिर्भरता का प्रतीक है| स्वालंबन जीवन में सफलता की पहली सीढ़ी है| सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलंबी अवश्य होना चाहिए|

स्वावलंबन की परिभाषा हम अनेक उदाहरणों से समझ सकते हैं| जब बच्चा छोटा होता है, तो वह पूर्णतया अपनी माँ पर आश्रित होता है| कुछ समय बाद वह अपने हाथों से चीज़ों को उठाता है, खाता है तथा खेलने में उनका प्रयोग करता है, उसमें उसे परम आनंद प्राप्त होता है| शिशु की यह प्रसन्नता स्वावलंबन का आनंद है। अतः अपने आत्मविश्वास को जाग्रत कर उसे मज़बूत बनाओ| हमें स्वावलंबन के अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं। पेड़-पौधों व पशु-पक्षियों में तो स्वावलंब कूट-कूट कर भरा है| वे अपना भोजन स्वयं बनाते हैं| सूर्य से प्रकाश, धरती से जल व अन्य अन्य खनिज ग्रहण कर पौधे स्वत: बढ़ते जाते हैं| चींटी जैसा नन्हा-सा जीव भी स्वावलंबन का महत्व समझता है।

आत्मनिर्भर व्यक्ति कठिनाइयों से नहीं घबराता। वह अपने निर्णय स्वयं लेता है और समाज में आदर्श बनता है। आत्मनिर्भरता राष्ट्र की उन्नति और सच्ची स्वतंत्रता का प्रतीक है। महात्मा गांधी ने विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार कर स्वदेशी वस्त्रों को अपनाया और आत्मनिर्भर भारत का संदेश दिया। एक राष्ट्र तभी सशक्त बन सकता है जब उसके नागरिक परिश्रमी, स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर हों।

1. आत्मनिर्भरता का शाब्दिक अर्थ क्या है और कौन आत्मनिर्भर होते है?
2. आत्मनिर्भरता का राष्ट्रीय स्तर पर अर्थ स्पष्ट कीजिए|
3. शिशु को आनंद कब प्राप्त होता है?
4. पेड़-पौधे किस प्रकार हमें स्वावलंबी बनने की शिक्षा देते हैं
5. आत्मनिर्भर व्यक्ति के कोई दो गुण लिखिए|
6. महात्मा गांधी ने आत्मनिर्भर भारत का संदेश किस प्रकार दिया?
7. एक राष्ट्र कब सशक्त बन सकता है?

प्रश्न 2. दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए| 7

हँसी शरीर के स्वास्थ्य का शुभ संवाद देने वाली है। वह एक साथ ही शरीर और मन को प्रसन्न करती है। पाचन-शक्ति बढ़ती है, रक्त का सही संचार करती है और अधिक पसीना लाती है। हँसी एक शक्तिशाली दवा है। डॉक्टर कहते हैं कि 'वह जीवन की मीठी दवाई है'। डॉक्टर ह्यूड कहते हैं कि "आनंद से बढ़कर बहुमूल्य वस्तु मनुष्य के पास और कोई नहीं।"

कारलाइल एक राजकुमार थे। वे संसार त्यागी हो गए थे। वे कहते थे कि जो जी से हँसता है, वह कभी बुरा नहीं होता। जी से हँसो, तुम्हें अच्छा लगेगा। अपने मित्र को हँसाओ, अधिक प्रसन्न होगा। शत्रु को हँसाओ, तुमसे कम घृणा करेगा। एक अनजान को हँसाओ, तुम पर भरोसा करेगा। उदास को हँसाओ, उसका दुख घटेगा। एक निराशा को हँसाओ, उसकी आशा बढ़ेगी। एक बूढ़े को हँसाओ, वह अपने को जवान समझने लगेगा। एक बालक को हँसाओ, उसके स्वास्थ्य में वृद्धि होगी, वह प्रसन्न और प्यारा बालक बनेगा। पर हमारे जीवन का उद्देश्य केवल हँसी ही नहीं है, हमें अभी बहुत काम करने हैं। तथापि उन कामों में, कष्टों में और चिंताओं में एक सुंदर आंतरिक हँसी, बड़ी प्यारी वस्तु भगवान ने दी है।

हँसी मनुष्य को तनाव से मुक्त करती है और आत्मविश्वास बढ़ाती है। घर में हँसी-खुशी का वातावरण हो तो परिवार में प्रेम और एकता बनी रहती है। हँसी से मन की थकान दूर हो जाती है और कार्य करने की शक्ति मिलती है। सचमुच, हँसी जीवन का अमूल्य खजाना है, जिसे हर किसी को बाँटना चाहिए।

1. हँसी का क्या कार्य है?
   (क) शरीर में रोगों को बढ़ाना (ख) शरीर को स्वस्थ बनाना
   (ग) शरीर में कमजोरी पैदा करना (घ) शरीर में खून की कमी उत्पन्न करना
2. कौन-सा कथन असत्य है?
   (क) हँसी आत्मविश्वास बढ़ाती है (ख) हँसी एक शक्तिशाली दवा है
   (ग) सज्जन व्यक्ति नहीं हँसते हैं (घ) जो जी से हँसाता है वह कभी बुरा नहीं होता
3. डॉक्टर ह्यूड के अनुसार मनुष्य के पास सबसे बहुमूल्य वस्तु कौन-सी है?
   (क) धन (ख) आनंद (ग) स्वास्थ्य (घ) मित्र
4. शत्रु को हँसाने से क्या होता है?
   (क) वह अधिक गुस्सा करेगा (ख) वह कम घृणा करेगा
   (ग) वह रोने लगेगा (घ) वह भाग जाएगा
5. एक बूढ़े को हँसाने से उसमें कौन-सी भावना आती है?
   (क) वह खुद को जवान समझने लगता है (ख) वह रोने लगता है
   (ग) वह डर जाता है (घ) उसे थकान होती है
6. हँसी हमारे जीवन में कैसी वस्तु है?
   (क) दुखदायी (ख) साधारण
   (ग) बेकार (घ) अमूल्य
7. उपयुक्त गद्यांश का उचित शीर्षक चुनिए|
   (क) हँसो और अस्वस्थ रहो (ख) काम से ज़्यादा हँसी महत्वपूर्ण है
   (ग) हँसी अमानवीय तत्व है (घ) हँसी का महत्त्व

खंड – ख

प्रश्न 3. (i) संधि कीजिए- नारी + इंद्र, भानु + उदय 1

(ii) संधि विच्छेद कीजिए- भोजनालय, कवीश्वर 1

(iii) उचित स्थान पर अनुस्वार लगाइए- कपनी, टकी 1

(iv) उचित स्थान पर अनुनासिक लगाइए- मुह, फ़ब्तिया 1

प्रश्न 4. (i) संज्ञा शब्द छाँटकर उसका भेद लिखिए| 1

हम कल बाज़ार गए|

(ii) वाक्य में उचित सर्वनाम शब्द भरिए| 1

क. मोहन की पुस्तक ..... पास है।

ख. कमरे के बाहर ..... खड़ा है|

(iii) वाक्य में से विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए| 1

क. हमने गुजराती गीत गाए| ख. मेज़ पर दस किताबें रखी थीं|

(iv) वाक्य में उचित विशेषण शब्द भरिए| 1

क. ..... लोगों से सावधान रहना चाहिए|

ख. रास्ते में ..... पत्थर पड़ा था|

प्रश्न 5. (i) 'ईला' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए| 1

(ii) 'हम' उपसर्ग से दो शब्द लिखिए| 1

(iii) 'बाकायदा' शब्द में उपसर्ग व मूल शब्द अलग-अलग कीजिए| 1

(iv) 'भारतीय' शब्द में प्रत्यय व मूल शब्द अलग-अलग कीजिए| 1

प्रश्न 6. (i) किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए- हाथ, अनाज, संसार, अंग 2

(ii) विराम चिह्न लगाकर वाक्य फिर से लिखिए| 2

क. धीरे धीरे वृद्धा की आँखों की ज्योति जाने लगी

ख. ओह यह क्या हो गया

(iii) किन्हीं दो मुहावरों का वाक्य में प्रयोग कीजिए| 2

हाथ पाँव फूलना, अगर-मगर करना, श्रीगणेश करना

खंड – ग

प्रश्न 7. गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5

साइकिल प्रशिक्षण शिविर देखना एक असाधारण अनुभव है। किलकुरिची गाँव में सभी साइकिल सीखनेवाली महिलाएँ रविवार को इकठ्ठी हुई थीं। साइकिल चलाने के आंदोलन के समर्थन में ऐसे आगे बढ़कर कोई भी हैरान हुए बिना नहीं रह सकता। उन्हें इसे सीखना ही है। साइकिल ने उन्हें पुरुषों द्वारा थोपे गए दायरे के अंदर रोज़मर्रा की घिसी-पिटी चर्चाओं से बाहर निकलने का रास्ता दिखाया। ये नव-साइकिल चालक गाने भी गाती हैं। उन गीतों में साइकिल चलाने को प्रोत्साहित दिया गया है। इनमें से एक गाने की पंक्ति का भाव है–'ओ बहिना, आ सीखें साइकिल, घूमे समय के पहिए संग...'

जिन्हें साइकिल चलाने का प्रशिक्षण मिल चुका है उन्होंने बहुत बड़ी संख्या में साइकिल सीख चुकी महिलाओं, अभी नयी-नयी साइकिल सीखनेवाली महिलाओं को भरपूर सहयोग देती हैं। उनमें यहाँ न केवल सीखने-सिखाने की इच्छा दिखाई देती है; बल्कि उनके बीच यह उत्साह भी दिखाई देता है कि सभी महिलाओं को साइकिल चलाना सीखना चाहिए।

1. साइकिल प्रशिक्षण शिविर को 'असाधारण अनुभव' क्यों कहा गया?

   (क) क्योंकि इसमें बहुत खेलकूद हुआ

   (ख) क्योंकि सभी पुरुष इसमें शामिल हुए

   (ग) क्योंकि महिलाओं ने आगे बढ़कर साइकिल सीखने का साहस दिखाया

   (घ) क्योंकि इसमें पुरस्कार बाँटे गए

2. साइकिल प्रशिक्षण शिविर कहाँ लगाया गया था?

   (क) दिल्ली में (ख) किलकुरिची गाँव में

   (ग) चेन्नई में (घ) स्कूल में

3. नव-साइकिल चालक महिलाएँ क्या करती थीं?

   (क) कहानियाँ सुनाती थीं (ख) गाने गाती थीं

   (ग) नृत्य करती थीं (घ) नुक्कड़ नाटक करती थीं

4. नई-नई साइकिल सीखने वाली महिलाओं को किससे सबसे अधिक प्रेरणा मिली?

   (क) गाँव के पुरुषों से (ख) सरकार के मंत्रियों से

   (ग) स्कूल के बच्चों से (घ) पहले से साइकिल सीख चुकी महिलाओं से

5. साइकिल सीखने की प्रक्रिया ने महिलाओं में कौन-सा भाव प्रकट किया?

   (क) डर और घबराहट (ख) उदासी और थकान

   (ग) शिकायतें और झगड़े (घ) उत्साह और सीखने की इच्छा

प्रश्न 8. पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5

किस ओर चले? यह मत पूछो,
चलना है, बस इसलिए चले,
जग से उसका कुछ लिए चले,
जग को अपना कुछ दिए चले,
दो बात कही, दो बात सुनी।
कुछ हँसे और फिर कुछ रोए।
छककर सुख-दुख के घूँटों को
हम एक भाव से पिए चले।

हम भिखमंगों की दुनिया में,
स्वच्छंद लुटाकर प्यार चले,
हम एक निसानी-सी उर पर,
ले असफलता का भार चले।
अब अपना और पराया क्या?
आबाद रहें रुकने वाले!
हम स्वयं बँधे थे और स्वयं
हम अपने बँधन तोड़ चले।

1. कवि सुख और दुःख को किस भाव से ग्रहण करता है?

(क) अलग-अलग भाव से (ख) उदासी से

(ग) समान भाव से (घ) परेशानी से

2. कवि ने भिखमंगों की दुनिया में क्या लुटाया?

(क) धन (ख) प्यार

(ग) ज्ञान (घ) समय

3. दीवाने अपने हृदय पर कैसी निशानी ले जाते हैं?

(क) प्रसन्नता (ख) निराशा

(ग) असफलता (घ) चिंता

4. 'हम अपने बँधन तोड़ चले' से कवि का क्या आशय है?

(क) समाज की बेड़ियों से मुक्ति (ख) यात्रा पूरी करना

(ग) दूसरों की सहायता करना (घ) धन कमाना

5. 'दीवानों की हस्ती' कविता के कवि का नाम _____ है।

(क) भगवती चरण वर्मा (ख) जयशंकर प्रसाद

(ग) रामदरश मिश्र (घ) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

प्रश्न 9. किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए| 7×1=7

1. भगवान के डाकिए किसे कहा गया है?
2. बदलू कौन सा कार्य करता था?
3. बदलू की बेटी का क्या नाम था?
4. किसकी चोटी लंबी और मोटी थी?
5. श्रीकृष्ण मक्खन चोरी करने कब जाते थे?
6. लोगों ने बस की तुलना किससे की थी?
7. लेखक ने कितने मित्रों के साथ बस की यात्रा की थी?
8. 'पुडुकोट्टई' किस राज्य में है?

प्रश्न 10. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दो से तीन पंक्तियों में दीजिए| 5×2=10

1. "एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है"- कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।
2. कृष्ण अपनी चोटी के विषय में क्या-क्या सोच रहे थे?
3. लेखक के मतानुसार लेखक को छोड़ने के लिए आए लोगों की आँखें क्या कह रही थीं?
4. डॉक्टर मित्र ने क्या सलाह दी?
5. दूध की तुलना में कृष्ण कौन-सा पदार्थ अधिक पसंद करते थे?
6. कविता 'दीवानों की हस्ती' में ऐसी कौन-सी बात है जो आपको सब से अच्छी लगी?
7. शुरूआत में पुरुषों ने इस आंदोलन का विरोध किया परंतु आर. साइकिल्स के मालिक ने इसका समर्थन किया, क्यों?

प्रश्न 11. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर तीन से चार पंक्तियों में दीजिए| 2×3=6

1. "ऐसा जैसे सारी बस ही इंजन है और हम इंजन के भीतर बैठे हैं।' लेखक को ऐसा क्यों लगा?
2. मक्खन चुराते समय कृष्ण थोड़ा-सा मक्खन बिखरा क्यों देते हैं?
3. प्रारंभ में साइकिल आंदोलन को चलाने में कौन-कौन सी बाधाएँ आईं?
4. बदलू की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन करो।

खंड – घ

प्रश्न 12. किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए| 5

खेलों का महत्त्व, मेरी यादगार यात्रा, विद्यार्थी जीवन और अनुशासन

या

बस परिचालक (कंडक्टर) और यात्री के मध्य टिकट खरीदने और बस में अधिक भीड़ होने के विषय पर संवाद लिखिए|

प्रश्न 13. आपके शहर में हुई तेज़ बरसात के बारे में बताते हुए दादा जी को पत्र लिखिए| 5

या

आपको अपने मित्र की जन्मदिन पार्टी में जाना था| माँ के अचानक अस्वस्थ हो जाने के कारण आप नहीं जा सके| इसके बारे में बताते हुए मित्र को एक क्षमायाचना पत्र लिखिए|

प्रश्न 14. दिए गए चित्र का वर्णन 30 से 40 शब्दों में कीजिए| 5

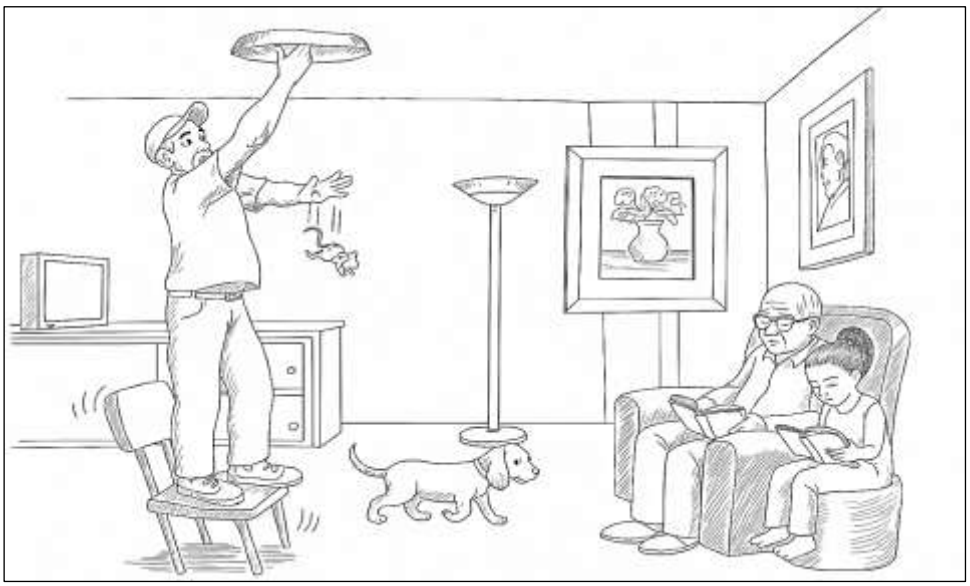

.....